1

समर्पण

कविता

प्रस्तुत कविता के लेखक रामावतार त्यागी का जन्म सन् 1925 में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद ज़िले में हुआ था। 'नया खून' और 'आठवाँ स्वर' जैसी प्रसिद्ध काव्य रचनाओं के रचयिता का देहावसान सन् 1985 में हुआ था। प्रस्तुत कविता में कवि ने देश के प्रति सर्वस्व समर्पण भावना व्यक्त की है।

मन समर्पित, तन समर्पित,
और यह जीवन समर्पित।
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

माँ तुम्हारा ऋण बहुत है मैं अकिंचन,
किंतु इतना कर रहा फिर भी निवेदन,
थाल में लाऊँ सजा कर भाल जब भी,
कर दया स्वीकार लेना यह समर्पण।

गान अर्पित, प्राण अर्पित,
रक्त का कण-कण समर्पित।
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

माँज दो तलवार को लाओ न देरी,
बाँध दो अब पीठ पर वह ढाल मेरी,
भाल पर मल दो चरण की धूल थोड़ी,
शीश पर आशीष की छाया घनेरी।

स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित,
आयु का क्षण-क्षण समर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

तोड़ता हूँ मोह का बंधन, क्षमा दो,
आज सीधे हाथ में तलवार दे दो,
और बाएँ हाथ में ध्वज को थमा दो।

Scanned with CamScanner

ये सुमन लो, यह चमन लो,
नीड़ का तृण-तृण समर्पित,
चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।

- रामावतार त्या

शब्दार्थ

समर्पित करना = भेट करना, अर्पण करना; ऋण = कर्ज़, उधार; अकिंचन = तुच्छ, ना के बराबर; भाल = मस्तक, सिर; घनेरी = ज़्यादा, घनी; स्वप्न = सपना; क्षण = पल; ध्वज = झंडा; चमन = उद्यान, बगीचा; नीड़ = घोंसला; तृण = तिनका।

अभ्यास

(क) सही उत्तर पर (✓) चिह्न लगाइए :

1. कवि अपने भाल पर क्या मलने की कामना कर रहा है?
   चरण की धूल ☐ रास्ते की धूल ☐
2. कवि किसका बंधन तोड़ना चाहता है?
   दोस्ती का ☐ मोह का ☐
3. 'समर्पण' कविता में कवि थाल में क्या सजाकर अर्पण करना चाहता है?
   भाल ☐ शाल ☐
4. कवि किस वस्तु को माँजने में देरी करने को कह रहा है?
   बरतन ☐ तलवार ☐

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए (मौखिक):

1. 'समर्पण' कविता के कवि कौन हैं?
2. कवि अपने दोनों हाथों में क्या-क्या देने की प्रार्थना कर रहा है?
3. कवि देश की धरती को किस वस्तु का कण-कण समर्पित कर रहा है?
4. कवि पीठ पर क्या बाँधने को कह रहा है?
5. कवि किसका क्षण-क्षण समर्पित कर रहा है?

(ग) कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए-

1. स्वप्न अर्पित, प्रश्न अर्पित,
   आयु का क्षण-क्षण समर्पित,
   चाहता हूँ देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ।
2. माँज दो तलवार को लाओ न देरी,
   बाँध दो अब पीठ पर वह ढाल मेरी,
   भाल पर मल दो चरण की धूल थोड़ी,
   शीश पर आशीष की छाया घनेरी।

Scanned with CamScanner

(घ) आओ बूझें पहेली :

1. भारत का राष्ट्रीय ध्वज
2. भारत में रहने वाले
3. 'देश की धरती' का एक और नाम

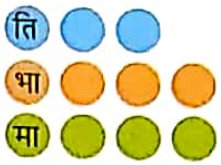

(ङ) संकेत पद्यांश को पाठ में से ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए :

माँ तुम्हारा ऋण बहुत है _____ कर दया स्वीकार लेना यह समर्पण।

1. कवि मातृभूमि से क्या निवेदन कर रहा है?
2. कवि अपने ऊपर किसका ऋण मान रहा है?

(च) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लिखित):

1. 'मोह के बंधन' से क्या तात्पर्य है? कवि उन्हें क्यों तोड़ने की कामना करता है?
2. 'नीड़ का तृण-तृण समर्पित' से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।
3. 'तन-मन' के अतिरिक्त कवि और क्या-क्या अर्पण करने की कामना रखता है?

शब्दबोध एवं व्याकरण

(छ) शुद्ध उच्चारण कीजिए-

आशीष स्वप्न स्वीकार समर्पित ध्वज

दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(ज) दिए गए शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द पाठ में से चुनकर लिखिए-

1. घोंसला	_____	5. बगीचा	_____
2. सपना	_____	6. झंडा	_____
3. मस्तक	_____	7. तिनका	_____
4. उधार	_____	8. तुच्छ	_____

(झ) पढ़िए, समझिए और कीजिए-

कविता में आए सभी संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए। उन्हें उनके प्रकार के अनुसार वर्गीकृत भी कीजिए।

पाठेतर गतिविधि

(ञ) बातचीत की बारी

'आप मातृभूमि के लिए क्या कर सकते हैं।' इस विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

(ट) सन् 1857 में हुए प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सर्वस्व न्योछावर करने वाले दो वीरों और दो वीरांगनाओं के विषय में जानकारी एकत्र करके लिखिए। इनके चित्र भी लगाइए।

Scanned with CamScanner